विद्या ददाति विनयम्

संजीव®

हिन्दी
RPSC
25 हल प्रश्न-पत्र

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक,
स्कूल व्याख्याता, कॉलेज व्याख्याता और सेट के हिन्दी के 25 प्रश्न-पत्र व्याख्या सहित

संकलनकर्त्ता

कैलाश नागौरी

(व्हाट्सऐप- 9660669988)

लेखन सहयोग

पुष्प सिंह चारण

रवीन्द्र टाक

सम्पादक

डॉ. दीपेश कुमार सैनी

संजीव प्रकाशन, जयपुर

- **प्रकाशक :**
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
  जयपुर-03
  website : www.sanjivprakashan.com

- © किरण (सरसा पब्लिकेशन)

- **संस्करण**-जुलाई, 2023 (प्रथम)
- **मूल्य : ₹ 400.00**
- **लेजर कम्पोजिंग :**
  संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर
- **मुद्रक :** विकास बुक बाईंडर, जयपुर

- ❑ इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
  email : sanjeevcompetition@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग, संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- ❑ इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरुत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनर्प्राप्ति का प्रयास अथवा किसी भी तकनीक या तरीके—इलेक्ट्रोनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वेब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना प्रकाशन या वितरण नहीं किया जा सकता है।
- ❑ हमने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्रोतों से प्राप्त किया है। इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता या त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- ❑ सभी प्रकार के प्रतिवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

लेखक की कलम से

इस पुस्तक में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित द्वितीय श्रेणी शिक्षक, स्कूल व्याख्याता, कॉलेज व्याख्याता एवं सहायक आचार्य पात्रता परीक्षा (सेट) की परीक्षाओं के हिंदी विषय के वर्ष 2010 से 2023 तक के सभी प्रश्न-पत्र शामिल किए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के उत्तर आयोग की उत्तरमाला के आधार पर लगाए गए हैं, फिर भी आयोग द्वारा जारी उत्तरमाला से मिलान अवश्य कर लेवें, क्योंकि अन्तिम संशोधित परिणाम में उत्तरमाला भिन्न भी हो सकती है।

जिन प्रश्नों के लिए व्याख्या की आवश्यकता प्रतीत हुई, उन सभी प्रश्नों की सरल भाषा में व्याख्या की गई है। प्रश्नों की व्याख्या विश्वसनीय संदर्भ ग्रंथ एवं स्रोतों के आधार पर की गई है। इस पुस्तक में द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती परीक्षा हिंदी के कुल 11 प्रश्न-पत्र, स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षा हिंदी के कुल 7 प्रश्न-पत्र, कॉलेज व्याख्याता भर्ती परीक्षा हिंदी के कुल 4 प्रश्न-पत्र और सहायक आचार्य पात्रता परीक्षा (सेट) हिंदी के 3 प्रश्न-पत्र सहित कुल 25 प्रश्न-पत्र शामिल किए गए हैं। प्रस्तुत पुस्तक आगामी परीक्षाओं के लिए परीक्षार्थियों हेतु अत्यन्त महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगी।

पुस्तक लेखन एवं टाईपिंग में पूर्ण सावधानी बरती गई है, फिर भी मानवीय स्वभाववश कहीं त्रुटि होना स्वाभाविक हो सकता है, अत: आपसे निवेदन है कि यदि पुस्तक में कहीं त्रुटि पायी जाती है तो आप हमें व्हाट्सऐप नम्बर 9660669988 पर मैसेज करके चर्चा अवश्य करें। हमें आपके सुझाव अवश्य ही पुस्तक को और बेहतर करने के लिए प्रेरित करेंगे।

धन्यवाद!

✍ कैलाश नागौरी
(सरसा बुक)

नई बुक्स की जानकारी, अपडेट, बुक खरीदने व टेस्ट सीरीज के लिए सरसा बुक ऐप डाउनलोड करें। प्ले स्टोर पर जाएँ और सर्च करें- **Sarsa Book**

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	पेपर	पृष्ठ संख्या
1.	सेट- 2023 (26 मार्च, 2023)	01-09
2.	स्कूल व्याख्याता पेपर-2022 [माध्यमिक शिक्षा] (15 अक्टूबर, 2022)	10-22
3.	स्कूल व्याख्याता पेपर- 2022 [संस्कृत विभाग] (15 नवम्बर, 2022)	23-34
4.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2022 [माध्यमिक शिक्षा] (22 दिसम्बर, 2022)	35-49
5.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2022 [संस्कृत विभाग] (13 फरवरी, 2023)	50-61
6.	कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2020 [हिन्दी प्रथम पेपर] (23 सितम्बर, 2021)	62-70
7.	कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2020 [हिन्दी द्वितीय पेपर] (23 सितम्बर, 2021)	71-81
8.	स्कूल व्याख्याता पेपर- 2018 [माध्यमिक शिक्षा] (03 जनवरी, 2020)	82-91
9.	स्कूल व्याख्याता पेपर- 2018 (संस्कृत विभाग) (05 अगस्त, 2020)	92-101
10.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2018 [माध्यमिक शिक्षा] (1 नवम्बर, 2018)	102-109
11.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2018 [संस्कृत विभाग] (20 फरवरी, 2019)	110-118
12.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2018 [विशेष शिक्षा] (4 जुलाई, 2019)	119-127
13.	कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2014 [हिन्दी प्रथम पेपर] (5 जुलाई, 2016)	128-134
14.	कॉलेज व्याख्याता परीक्षा-2014 [हिन्दी द्वितीय पेपर] (5 जुलाई, 2016)	135-146
15.	स्कूल व्याख्याता पेपर- 2015 [माध्यमिक शिक्षा] (24 जुलाई, 2016)	147-154
16.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2015 [विशेष शिक्षा] (8 फरवरी, 2018)	155-163
17.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2016 [माध्यमिक शिक्षा] (1 जुलाई, 2017)	164-173
18.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2014 [माध्यमिक शिक्षा] (19 सितम्बर, 2014)	174-183
19.	सेट- 2013-14 (द्वितीय पेपर)	184-186
20.	सेट- 2013-14 (तृतीय पेपर)	187-191
21.	स्कूल व्याख्याता पेपर- 2013 [माध्यमिक शिक्षा] (16 मार्च, 2015)	192-199
22.	स्कूल व्याख्याता पेपर- 2011 [माध्यमिक शिक्षा]	200-206
23.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2011 [माध्यमिक शिक्षा]	207-216
24.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2010 (1) [माध्यमिक शिक्षा]	217-226
25.	द्वितीय श्रेणी शिक्षक पेपर- 2010 (2) [माध्यमिक शिक्षा]	227-236

01. सेट (हिंदी)-2023 (परीक्षाः 26 मार्च 2023)

नोट—प्रश्न संख्या 1 से 50 तक सामान्य ज्ञान के प्रश्न थे। इसलिए यहाँ प्रश्न संख्या 51 से 150 तक हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रश्न शामिल किए गए हैं

51. निम्नलिखित में से कौन सा भाषा का अभिलक्षण नहीं है?

(अ) परिवर्तनशीलता (ब) पौराणिकता
(स) अनुकरण (द) यादृच्छिकता

व्याख्या- (ब) पौराणिकता भाषा का अभिलक्षण नहीं है। पीढ़ी दर पीढ़ी भाषा में परिष्कार होता जाता है। यह भाषा का परिवर्तनशीलता का गुण है। भाषा सदैव ही अनुकरण से सीखी जाती है। भाषा यादृच्छिकता ध्वनि-संकेतों की वह पद्धति है जिसके द्वारा मानव परस्पर विचारों का आदान-प्रदान करता है।

52. 'भाषा यादृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की व्यवस्था है' यह किसका कथन है ?

(अ) डॉ. भोलानाथ तिवारी (ब) बाबूराम सक्सेना
(स) धीरेन्द्रनाथ वर्मा (द) देवेन्द्रनाथ शर्मा

व्याख्या- (अ) भाषा की उक्त परिभाषा डॉ.भोलानाथ तिवारी ने दी थी। यादृच्छिक का अर्थ होता है- कोई घटना अनजाने कारणों से किसी नयी स्थिति की ओर बढ़ी चली जा रही हो तो ऐसी क्रिया को यादृच्छिक कहते हैं। भाषा के संबंध में भी यही यादृच्छिकता है जिसमें भाषा का परिष्कृत रूप एवं सरल रूप लगातार विकसित होता जाता है।

53. इनमें अर्थपरिवर्तन की दिशा कौन सी है ?

(अ) अर्थसंकोच (ब) अर्थविस्तार
(स) अर्थादेश (द) सभी (द)

54. उत्क्षिप्त व्यंजन कौन सा है ?

(अ) ल (ब) ढ़
(स) ण (द) र

व्याख्या- (ब) हिंदी वर्ण-विचार में ड़ और ढ़ को उत्क्षिप्त व्यंजन माना गया है, क्योंकि इनका उच्चारण एक झटके साथ किया जाता है। सामान्यतया ये किसी शब्द के प्रारंभ में नहीं होते हैं क्योंकि इसके उच्चारण के लिए पूर्व वर्ण कोई स्वर होना चाहिए, जैसे- पढ़ना, लड़ना, लड़का आदि।
ध्यान रहे- ढ और ड इनसे अलग वर्ण हैं।

55. दंत्योष्ठ व्यंजन कौन से हैं ?

(अ) प, भ (ब) फ, व
(स) ध, न (द) कोई नहीं

व्याख्या- (*) वे वर्ण जिनका उच्चारण स्थान दंत और ओष्ठ है, उन वर्णों को दंतोष्ठ वर्ण कहा जाता है। व का उच्चारण स्थान दंतोष्ठ माना जाता है। 'फ' का उच्चारण स्थान ओष्ठ है। इसलिए यह प्रश्न विलोपित किया गया है।

56. डॉ. भोलानाथ तिवारी के अनुसार रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं ?

(अ) चार (स) सात
(ब) पाँच (द) आठ

व्याख्या-(अ) भोलानाथ तिवारी के अनुसार रचना के आधार पर वाक्य के चार भेद होते हैं।

57. 'वह आया होगा' यह वाक्य का कौन सा प्रकार है ?

(अ) विधानसूचक (ब) आज्ञासूचक
(स) संदेहसूचक (द) इच्छासूचक

व्याख्या- (स) अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं- (1) संकेतवाचक वाक्य (2) विधिवाचक वाक्य (3) प्रश्नवाचक वाक्य (4) इच्छावाचक वाक्य (5) आज्ञावाचक वाक्य (6) सन्देहवाचक वाक्य (7) विस्मयादिबोधक वाक्य और (8) निषेधवाचक वाक्य।

58. किस ग्रंथ में 'रीति सिद्धांत' की स्थापना की गई है ?

(अ) काव्यालंकार संग्रह (ब) काव्यादर्श
(स) काव्यालंकार सूत्रवृत्ति (द) काव्य मीमांसा

व्याख्या- (स) काव्यालंकार सूत्रवृत्ति ग्रंथ के रचनाकार आचार्य वामन हैं। इस ग्रंथ का रचनाकाल आठवीं सदी का उत्तरार्द्ध एवं नौवीं सदी के पूर्वार्द्ध का समय माना जाता है। आचार्य वामन कश्मीर नरेश जयादित्य के मंत्री थे। इन्होंने रीति संप्रदाय की स्थापना की थी। उन्होंने रीति को काव्य की आत्मा माना है। इस ग्रंथ के तीन भाग हैं- सूत्र, वृत्ति एवं उदाहरण। यह सूत्र शैली में रचा गया है।

59. 'रसगंगाधर' के रचनाकार कौन हैं ?

(अ) मम्मट (ब) रूपगोस्वामी
(स) विश्वनाथ (द) पंडितराज जगन्नाथ

व्याख्या-(द) रसगंगाधर के रचयिता पंडितराज जगन्नाथ हैं। ये बादशाह शाहजहाँ के सभापति थे। शाहजहाँ इनसे इतने प्रभावित थे कि उन्होंने पंडितराज की उपाधि दी थी।

60. 'काव्यशोभाकरान् धर्मान् अलंकारान् प्रचक्षते' अलंकार की यह परिभाषा किसने दी ?

(अ) दण्डी (ब) आचार्य भरतमुनि
(स) जगन्नाथ (द) भामह

व्याख्या-(अ) भामह ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ काव्यालंकार में अलंकारों का विस्तृत विवेचन किया है। आचार्य भामह अलंकार संप्रदाय के प्रवर्तक आचार्य माने जाते हैं।

61. निम्नलिखित में से कौन सी रचना ब्रज भाषा की नहीं है?
(अ) गीतावली (ब) पार्वती मंगल
(स) कवितावली (द) विनयपत्रिका

व्याख्या-(ब) तुलसीदास जी की ब्रजभाषा में रचित रचनाएँ- कृष्ण गीतावली, कवितावली, विनयपत्रिका, राम गीतावली, वैराग्य संदीपनी, दोहावली। (ट्रिक-कृष्ण कवि ने विनय को गीता से वैराग्य का दोहा सुनाया।)
तुलसीदास जी की अवधी भाषा में रचित रचनाएँ- जानकी मंगल, रामचरितमानस, रामाज्ञा प्रश्नावली, रामलला नहछू, बरवै रामायण और पार्वती मंगल। (ट्रिक-जानकी ने राम लला का वर पाया।)

62. प्लेटो मूल रूप से क्या थे ?
(अ) कवि (ब) समीक्षक
(स) दार्शनिक (द) नाट्यकार

व्याख्या-(स) प्लेटो एक दार्शनिक थे।

63. 'पेरिइप्सुस' के रचनाकार कौन हैं ?
(अ) प्लेटो (ब) अरस्तू
(स) लोंजाइनस (द) इनमें से कोई नहीं

व्याख्या-(स) पेरिइप्सुस लोंजाइनस का प्रसिद्ध ग्रंथ है। यह एक भाषणशास्त्र का ग्रंथ है जो 60 पृष्ठों में एवं 44 अध्यायों में विभक्त है। इस ग्रंथ की मूल भाषा यूनानी है।

64. 'तीव्र भावावेग की स्थिति ही आलंकारिक भाषा को जन्म देती है' यह कथन किसका है ?
(अ) कॉलरिज (ब) लोंजाइनस
(स) अरस्तू (द) आई.ए. रिचर्ड्स

व्याख्या-(अ) उक्त परिभाषा कॉलरिज की है। सैम्युअल टेलर कॉलरिज अंग्रेजी काव्य के प्रसिद्ध कवि थे। ये अंग्रेजी कविता के स्वच्छंदतावादी काव्य आंदोलन के प्रमुख कवि हैं।

65. इनमें अर्धस्वर हैं ?
(अ) य, व (ब) प, फ
(स) अ, आ (द) ए, ऐ

व्याख्या-(अ) य और व को अर्द्धस्वर माना गया है, क्योंकि इनके उच्चारण में उच्चारण अवयवों का कहीं भी स्पर्श नहीं होता है और प्राणवायु निर्बाध रूप से निकल जाती है।

66. 'अपभ्रंश पुरानी हिन्दी है' इस मत के समर्थक कौन हैं?
(अ) राहुल सांकृत्यायन (ब) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(स) रामविलास शर्मा (द) डॉ. नगेन्द्र

व्याख्या-(अ) राहुल सांकृत्यायन ने अपभ्रंश को पुरानी हिंदी कहा है। राहुल सांकृत्यायन ने काव्यधारा (1945 ई.) पुस्तक में लिखा है कि पूरा अपभ्रंश साहित्य पुरानी हिंदी हैं। उनके यहाँ पूर्ववर्ती एवं परवर्ती अपभ्रंश का झमेला नहीं है। वे अपभ्रंश को संस्कृत और प्राकृत से भिन्न भाषा मानते हैं।
हजारीप्रसाद द्विवेदी ने लिखा है कि अपभ्रंश को कोई पुरानी हिंदी नहीं कहता है। फिर भी परवर्ती अपभ्रंश साहित्य पूर्ववर्ती परिनिष्ठित अपभ्रंश का विकास है।
रामविलास शर्मा आधुनिक आर्यभाषाओं को अपभ्रंश से निकला हुआ नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि व्याकरणिक दृष्टि से अपभ्रंश हिंदी से भिन्न है, इसलिए अपभ्रंश पुरानी हिंदी नहीं है।

67. जैन कवियों ने कृष्णकथा को क्या कहा है ?
(अ) चरितकाव्य (ब) हरिवंशपुराण
(स) अग्निपुराण (द) प्रेमाख्यान

व्याख्या-(ब) जैन कवियों ने हरिवंशपुराण में कृष्णावतार की कथा लिखी है।

68. मुल्ला दाऊद की रचना कौन सी है ?
(अ) वर्णरत्नाकर (ब) चन्दायन
(स) खुसरो (द) उक्तिव्यक्ति प्रकरण

व्याख्या-(ब) मुल्ला दाऊद की रचना चंदायन है। इसका रचनाकाल 1379 ई. है। डॉ. माताप्रसाद गुप्त ने इस ग्रंथ का मूल नाम लोरकथा माना है।

69. 'सगुनहि अगुनहि नहि कछु भेदा' - किसकी पंक्ति है?
(अ) कबीर (ब) जायसी
(स) तुलसी (द) रैदास

व्याख्या-(स) उक्त पंक्ति तुलसीदास जी की है। तुलसीदास जी ने इसमें सगुण और निर्गुण के बीच समन्वय की चेष्टा की है।

70. कबीरपंथी संप्रदाय में कबीर की रचनाएँ किस नाम से प्रसिद्ध हैं?
(अ) सबद (ब) साखी
(स) रमैनी (द) बीजक

व्याख्या-(द) कबीरदास जी की समस्त रचनाओं का संकलन उनके शिष्य धर्मदास जी ने बीजक नाम से किया है। बीजक के तीन भाग है- रमैनी, सबद और साखी। साखी भाग में दोहे हैं, सबद में पदों का संकलन हैं और रमैनी में पदों व चौपाइयों का संकलन है।

71. 'लोग हैं लाग कवित्त बनावत मोहि तो मेरे कवित्त बनावत'- पंक्ति किस कवि की है ?
(अ) जगन्नाथ दास रत्नाकर (ब) बोधा
(स) घनानंद (द) पद्माकर

व्याख्या-(स) उक्त पंक्ति घनानंद की है।

72. विशिष्ट व्यावसायिक भाषा का व्यावहारिक और समुचित प्रयोग, किस अनुवाद की विशेषता है ?
(अ) साहित्यिक अनुवाद (ब) तकनीकी अनुवाद
(स) नाट्यानुवाद (द) सभी

व्याख्या-(ब) उक्त विशेषता तकनीकी अनुवाद की है।

73. चीफ़ की दावत किसकी कहानी है ?
(अ) हरिशंकर परसाई (ब) जैनेंद्र कुमार
(स) विश्वम्भर नाथ कौशिक (द) भीष्म साहनी

व्याख्या-(द) चीफ़ की दावत भीष्म साहनी की कहानी है। इस कहानी में एक माँ की ममता का प्रतिपाद्य है। कथानायक का बॉस घर पर पार्टी पर आता है। कथानायक की बूढ़ी माँ से पुरानी झालर वाली वस्तु बनाने के लिए कहता है। अपने बेटे का प्रमोशन हो जायेगा, यह सोचकर बूढ़ी माँ, जिसे कम दिखाई देता है, फिर भी चीफ के लिए वह वस्तु बुनती है। वास्तव में माँ से बढ़कर इस

दुनिया में कोई नहीं होता है। अपने पद के घमंड में कभी भी अपने माता-पिता का अनादर नहीं करना चाहिए।

74. देश की आज़ादी के पूर्व/पश्चात् के समय हुए दंगों का चित्रण किस रचना में नहीं है ?

(अ) राग दरबारी (ब) अमृतसर आ गया

(स) तमस (द) सिक्का बदल गया

व्याख्या-(अ) श्रीलाल शुक्ल का रागदरबारी उपन्यास (1968 ई.) एक विशिष्ट उपन्यास है। इस उपन्यास का केन्द्र बिंदु शिवपाल गंज है।

75. इनमें से कौन सूफी कवि नहीं है ?

(अ) उस्मान (ब) कासिम शाह

(स) मंझन (द) शेख मुहम्मद

व्याख्या-(द) शेख मुहम्मद सूफी कवि नहीं है।

76. 'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास' के इतिहासकार कौन हैं ?

(अ) बच्चनसिंह

(ब) रामकुमार वर्मा

(स) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(द) इनमें से कोई नहीं

व्याख्या-(अ) हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास के रचयिता डॉ. बच्चनसिंह हैं।

77. तुलसीदास की अंतिम रचना कौन सी है ?

(अ) रामचरितमानस (ब) हनुमान बाहुक

(स) कवितावली (द) विनयपत्रिका

व्याख्या-(ब) हनुमान बाहुक तुलसीदास जी की अंतिम रचना मानी जाती है।

78. 'भाषा बोलि न जानहीं जिनके कुल के दास' पंक्ति के कवि कौन हैं ?

(अ) केशवदास (ब) मलूकदास

(स) तुलसीदास (द) घनानंद

व्याख्या-(अ) उक्त पंक्ति के रचयिता केशवदास हैं।

79. बाल की खाल निकालने वाले वक़ीलों की थैली गरम कर उन्होंने अदालत से उस झोंपड़ी पर अपना क़ब्जाकर लिया और विधवा को वहाँ से निकाल दिया। पंक्तियाँ किस कहानी की हैं ?

(अ) अमृतसर आ गया (ब) सिक्का बदल गया

(स) अपना अपना भाग्य (द) एक टोकरी भर मिट्टी

व्याख्या-(द) उक्त पंक्तियाँ 'एक टोकरी भर मिट्टी' की है।

80. किस कवि ने संस्कृत को 'कूपजल' और भाखा को 'बहता नीर' कहा ?

(अ) तुलसीदास (ब) घनानंद

(स) कबीर (द) मीरा

व्याख्या-(स) कबीरदास जी ने संस्कृत को कूपजल और भाखा को बहता नीर कहा है। क्योंकि कूपजल का लाभ वहीं मिलेगा जहाँ कूप (कुँआ) होगा, जबकि बहता नीर एक जगह की बजाय बहुत बड़े क्षेत्र के लोगों को मिलता है। कहने का भावार्थ यह है कि संस्कृत केवल शास्त्रों की भाषा रह गई है, भाखा आम बोलचाल की भाषा है।

81. 'अगर इस्लाम नहीं आया होता तो भी इस साहित्य का बारह आना वैसा ही होता जैसा आज है' किस आलोचक ने कहा?

(अ) हजारीप्रसाद द्विवेदी (ब) रामचंद्र शुक्ल

(स) रामविलास शर्मा (द) शिवदानसिंह चौहान

व्याख्या-(अ) उक्त कथन हजारी प्रसाद द्विवेदी का भक्तिकाल के संबंध में है।

82. अष्टछाप की स्थापना किसने की ?

(अ) वल्लभाचार्य (ब) विट्ठलनाथ

(स) परमानंददास (द) सूरदास

व्याख्या-(ब) अष्टछाप की स्थापना वल्लभाचार्य के पुत्र विट्ठलाचार्य जी ने की थी। इस अष्टछाप मंडली में चार शिष्य वल्लभाचार्य जी के और चार शिष्य विट्ठलाचार्य जी के थे।
वल्लभाचार्य जी के शिष्य- सूरदास, कुंभनदास, परमानंददास और कृष्णदास।
विट्ठलाचार्य जी के शिष्य- चतुर्भुजदास, नंददास, गोविंद स्वामी और छीतस्वामी।

83. 'रासपंचाध्यायी' के रचनाकार कौन हैं ?

(अ) सूरदास (ब) स्वामी हरिदास

(स) नरोत्तमदास (द) नन्ददास

व्याख्या-(द) रासपंचाध्यायी (1553 ई.) के रचयिता नंददास हैं। रासपंचाध्यायी को हिंदी का गीतगोविंद कहा जाता है। इस रचना में केवल रोला छंद का प्रयोग हुआ है। इस रचना से प्रभावित होकर आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने लिखा है कि "और कवि गड़िया, नंददास जड़िया।"

84. 'संतन को कहा सीकरी सों काम' कुंभनदास ने यह उक्ति किस बादशाह से कही ?

(अ) शेरशाह (ब) अकबर

(स) बाबर (द) शाहजहाँ

व्याख्या-(ब) अकबर द्वारा आयोजित धर्मसभा में कुंभनदास जी पैदल गए थे। तब उन्होंने कह दिया था कि संतों का यहाँ क्या काम है, उल्टा पैरों की खड़ाऊ घिस गई हैं।

85. 'घायल री गति घायल जाण्याँ हिवड़ो अगण सँजोय' इस पंक्ति में किस भाषा का प्रयोग हुआ है ?

(अ) राजस्थानी (ब) भोजपुरी

(स) ब्रज (द) इनमें से कोई नहीं

व्याख्या-(अ) यह पंक्ति मीरां बाई द्वारा रचित है। मीरां बाई ने राजस्थानी भाषा में पदों की रचना की है।

86. 'इन मुसलमान हरिजनन पर कोटिन हिन्दुन बारिए' रसखान के विषय में यह उक्ति किसने कही है ?

(अ) बद्रीनारायण चौधरी (ब) रामचंद्र शुक्ल

(स) भारतेन्दु (द) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

व्याख्या-(स) उक्त पंक्ति भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने रसखान के लिए कही थी।

87. 'कविकुल कल्पतरु' के रचनाकार कौन हैं ?

(अ) चिंतामणि (ब) भूषण

(स) भिखारीदास (द) जसवंत सिंह

व्याख्या-(अ) कविकुल कल्पतरु के रचनाकार चिंतामणि हैं। इस तरह शीर्षक की अन्य रचनाएँ-
कविकुल कंठाभरण - दुलह कवि
काव्यकल्पद्रुम - सेनापति
अन्योक्तिकल्पद्रुम - दीनदयाल गिरि
कवि कल्पद्रुम - द्विजरेव
कविक विकल्पद्रुम कल्पद्रुत - श्रीपति
कल्पनिरूक्त - विनयचंद सूरी

88. रीतिकाल को 'अलंकृत मध्यकाल' किसने कहा ?
(अ) मिश्र बंधु (ब) रामचंद्र शुक्ल
(स) ग्रियर्सन (द) नगेन्द्र

व्याख्या-(अ) मिश्र बंधुओं ने साहित्यिक विशेषताओं के आधार पर हिन्दी साहित्य को आठ भागों में बाँटा है-
1. **आरम्भिक काल**-(700 वि.सं.-1444 वि.सं.)
   (1) पूर्व आरम्भिक काल - (वि.सं. 700-1344)
   (2) उत्तर आरम्भिक काल - (वि.सं. 1344-1444)
2. **माध्यमिक काल** - (वि.सं. 1444-1680)
   (1) पूर्व माध्यमिक काल - (वि.सं. 1444-1560)
   (2) उत्तर माध्यमिक काल - (वि.सं. 1560-1680)
3. **अलंकृतकाल** - (वि.सं. 1680-1890)
   (1) पूर्व अलंकृत काल - (वि.सं. 1680-1790)
   (2) उत्तर अलंकृत काल - (वि.सं. 1790-1890)
4. **परिवर्तन काल** - (वि.सं. 1890-1925)
5. **वर्तमान काल** - (वि.सं. 1925 से आज तक)

89. दशानन की नाभि में अमृत था। यहाँ दशानन में कौनसा समास है?
(अ) द्विगु समास (ब) बहुव्रीहि समास
(स) कर्मधारय समास (द) तत्पुरुष समास

व्याख्या- (ब) दशानन का समास विग्रह होगा- वह जिसके दस आनन (सिर) हो, वह है रावण। इस प्रकार दशानन में बहुव्रीहि समास है।

90. अल्पप्राण तालव्य ध्वनि है—
(अ) ध (ब) झ
(स) ज (द) ण

व्याख्या-(स) वर्गीय व्यंजनों में प्रथम, तृतीय व पंचम वर्ण, स्वर और श, ष, स को अल्पप्राण वर्ण और शेष व्यंजनों को महाप्राण वर्ण कहा जाता है। 'ज' व्यंजन तृतीय वर्ण है और यह तालव्य भी है। अत: सही उत्तर 'ज' है।

91. 'छत्तीसगढ़ी' हिंदी किस उपभाषा से सम्बंधित है ?
(अ) पूर्वी हिंदी (ब) पश्चिमी हिंदी
(स) पहाड़ी (द) बिहारी

व्याख्या-(अ) अर्द्धमागधी अपभ्रंश से पूर्वी हिंदी भाषा विकसित हुई है। पूर्वी हिंदी में तीन बोलियाँ सम्मिलित हैं- अवधी, बघेली और छत्तीसगढ़ी।

92. केशव को कठिन काव्य का प्रेत किसने कहा है ?
(अ) मिश्र बंधु (ब) रामचंद्र शुक्ल
(स) नंददुलारे बाजपेयी (द) हजारीप्रसाद द्विवेदी

व्याख्या-(ब) रीतिकाल के कवि केशवदास को आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने कठिन काव्य का प्रेत कहा है। केशव के काव्य की कठिनता का संकेत इस बात से भी है कि उन्होंने राम को उल्लू व ठग तक की उपमा दे डाली है।

93. 'नयी कविता के प्रतिमान' के लेखक हैं—
(अ) नामवरसिंह (ब) विजयदेवनारायण 'शाही'
(स) लक्ष्मीकांत वर्मा (द) मुक्तिबोध

व्याख्या-(स) आलोचनात्मक कृति 'नयी कविता के प्रतिमान' के रचयिता लक्ष्मीकांत वर्मा हैं।

94. हिन्दी का पहला समाचार-पत्र कहाँ से प्रकाशित हुआ?
(अ) काशी (ब) इलाहाबाद
(स) दिल्ली (द) कलकत्ता

व्याख्या-(द) हिंदी का पहला समाचार पत्र उदंत मार्तंड 1826 ई. में कलकत्ता से प्रकाशित हुआ। यह साप्ताहिक पत्र था और इसके संपादक जुगल किशोर थे।

95. श्रीधर पाठक किस धारा के कवि हैं ?
(अ) राष्ट्रीय काव्यधारा (ब) छायावाद
(स) रहस्यवाद (द) स्वच्छन्दतावाद

व्याख्या-(द) श्रीधर पाठक स्वच्छन्दतावाद काव्यधारा के कवि हैं।

96. 'मेरे नगपति मेरे विशाल' किसकी पंक्ति है ?
(अ) दिनकर (ब) नलिन विलोचन शर्मा
(स) माखनलाल चतुर्वेदी (द) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'

व्याख्या-(अ) 'मेरे नगपति मेरे विशाल' नामक कविता रामधारीसिंह दिनकर की है।

97. जहाँ कारण के अभाव में कार्य का वर्णन किया जाए वहाँ कौनसा अलंकार होता है ?
(अ) असंगति (ब) विभावना
(स) अतिशयोक्ति (द) विरोधाभास

व्याख्या-(ब) जहाँ बिना कारण के कार्य संपन्न हो जाए, वहाँ विभावना अलंकार होता है। जैसे-बिनु पग चलै, सुनै बिनु काना। कर बिनु कर्म, करै बिधि नाना।

98. निम्नलिखित में कौन सा लक्षणा शब्दशक्ति का लक्षण नहीं है ?
(अ) मुख्यार्थ की बाधा (ब) मुख्यार्थ का योग
(स) रूढ़ि अथवा प्रयोजन (द) व्यंग्यार्थ की झलक

व्याख्या-(द) व्यंग्यार्थ की झलक व्यंजना शब्दशक्ति का लक्षण है।

99. 'जहाँ लक्ष्मी कैद है' कहानी के लेखक कौन हैं ?
(अ) मन्नू भंडारी (ब) राजेन्द्र यादव
(स) कमलेश्वर (द) मोहन राकेश

व्याख्या-(ब) 'जहाँ लक्ष्मी कैद है।' कहानी के लेखक राजेन्द्र यादव हैं।